



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 193]
No. 193]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 20, 1986/वैशाख 30, 1908
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 20, 1986/VAISAKHA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1986

आदेश

का.आ. 272 (अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए/86:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 767 (अ), तारीख 23 अक्टूबर, 1981 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स मोहिनी मिल्स लिमिटेड, बेल-चारिया पश्चिमी बंगाल नाम संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन तीस दिन की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड, सूर्य किरण भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 821 (अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./81, तारीख 21 नवम्बर, 1981 सं. का.आ. 340(ख)/18 कक/आ.डी.आर.ए./

82, तारीख 21 मई, 1982, सं. का.आ. 810(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17 नवम्बर, 1982, सं. का.आ. 369(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 21 मई, 1983, सं. का.आ. 851(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 21 नवम्बर, 1983 और सं. का.आ. 397(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 21 नवम्बर, 1984, सं. का.आ. 871(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 21 नवम्बर, 1984 और का.आ. सं. 405(अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 20 मई, 1985 और का.आ. सं. 835 (अ)/18 कक/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 19 नवम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश का 21 मई, 1986 तक ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम उक्त नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबन्ध के अधीन छह मास की और अवधि के लिए बना रहे।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 21 नवम्बर, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा.सं. 3(5)/81-सी.यू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 20th May, 1986

ORDER

S.O. 272(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 767(E), dated the 23rd October, 1981 (hereinafter referred to as the said order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Limited, Belgharia, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of thirty days and the National Textile Corporation Limited, Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, was authorised to take over the management of the said industrial undertakings;

And, whereas, by the Orders of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Numbers S.O. 82(E)|18AA|IDRA|81, dated the 21st November, 1981; S.O. 340(E)|18AA|IDRA|82, dated the 21st May, 1982; S.O. 810(E)|18AA|IDRA|82, dated the 17th November, 1982; S.O. 369(E)|18AA|IDRA|83, dated the 21st May, 1983; S.O. 851(E)|18AA|IDRA|83, dated the 21st November, 1983; S.O. 397(E)|18AA|IDRA|84, dated the 21st May, 1984; S.O. 871(E)|18AA|IDRA|84, dated the 21st November, 1984; S.O. 405(E)|18AA|IDRA|85, dated the 20th May, 1985 and S.O. No. 835(E)|18AA|IDRA|85, dated the 19th November, 1985, the said Order was extended upto and inclusive of the 31st May, 1986;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the said National Textile Corporation Limited for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 21st November, 1986.

[F. No 3(5)/81-CUS]

आदेश

का.आ. 273(ग)/18ए/आई.डी.आर.ए./86—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग विभाग (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 767(ग)/18ए/आई.डी.आर.ए./81, तारीख 2 नवम्बर 1981 द्वारा (जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 अखण्ड (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के तहत उक्त कारखाने के अधिकारों पर प्रवृत्त ऐसी

जो कि किसी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, परिशिष्टों, पत्राचारों, गारंटी पत्रों या अन्य लिखितों या (उनसे भिन्न जो कि किन्हीं संविदाओं के प्राप्ति दायित्वों से सम्बंधित हैं) जिनका उक्त आदेश का विना निष्पत्ति में कोई भी, पण्डित, जमानत अधिकारी, अथवा अन्य व्यक्ति, उक्त आदेश के तहत प्रवृत्त हो, प्रवृत्त 21 नवम्बर 1981 तक हो किन्हीं यह तारीख की सम्मिलित हो, स्वयं के लिए निश्चित रूप से उक्त तारीख से पहले उक्त के तहत प्रवृत्त हो उक्त माल, प्रिंटेडिंग, वास्तव्य और अन्य उक्त प्रवृत्त हो किन्हीं उक्त से

इस, भारत सरकार के उद्योग विभाग (औद्योगिक विकास विभाग) ने आदेश सं. का.आ. 822(ख)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./81, तारीख 21 नवम्बर, 1981, का.आ. 341(ग)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 21 मई, 1982 का.आ. 811(ग)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17 नवम्बर, 1982, का.आ. 370(ग)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 21 मई, 1983, का.आ. 852(अ)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./83 तारीख 21 नवम्बर, 1983, का.आ. 398(अ)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./84, तारीख 21 मई, 1984 और का.आ. 872(ग)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./84 तारीख 21 नवम्बर 1984 और का.आ. 406(अ)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./85 तारीख 20 मई, 1985 और का.आ. 836(अ)/18 अखण्ड/आई.डी.आर.ए./85 तारीख 19 नवम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश को 21 मई, 1986 तक, जिन्हे यह तारीख का सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार का यह मतप्रान्त हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को छह मास का और अवधि के नये बढ़ा दिया जाए

अतः, प्रब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 अखण्ड (2) के साथ प्रति उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 21 नवम्बर, 1986 तक, जिन्में यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[का.स. 3(5)/81 पी.यू.ए.]

ए.पी. सरकार, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 273(E)|18FB|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 783(L)|18FB|IDRA|81, dated the 2nd November, 1981 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by the clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to Banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Ltd. Belgharia West Bengal, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 21st November, 1981 and that all rights privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Number S.O. 822(E)|18FB|IDRA|81, dated the 21st November, 1981 ; S. O. 341(E)|18FB|IDRA|82, dated the 21st May, 1982; S.O. 811(E)|18FB|IDRA|82, dated the 17th November, 1982; S. O. 370(E)|18FB|IDRA|83, dated the 21st May, 1983; S.O. 852(E)|18FB|IDRA|83, dated the 21st November, 1983; S.O. 398(E)|18FB|IDRA|84, dated the 21st May, 1984; S.O. 872(E)|18FB|IDRA|84, dated the 21st November, 1984; S.O. 406(E)|18FB|IDRA|85, dated the 29th May, 1985 and S.O. No. 836(E)|18FB|IDRA|85, dated the 19th November, 1985, the said Order was extended for the period upto and inclusive of the 21st May, 1986 ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 21st November, 1986.

[File No. 3(5)|81-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

